नईदुनिया

खादी और स्वदेशी उत्पादों को अपना कर अर्थ-व्यवस्था मजबूत करें: जायसवाल

भोपाल(काप्र)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल ने लोगों से अपील की है कि वे खादी और स्वदेशी उत्पादों को अपनाएं और अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में योगदान करें।

राज्य मंत्री श्री जायसवाल ने भोपाल स्थित मृगनयनी, कबीरा और विंध्यावैली स्टोर का निरीक्षण कर स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी की। इस दौरान उन्होंने जनता से शुद्ध और उत्कृष्ट खादी व स्वदेशी उत्पाद अपनाने का अनुरोध किया। श्री जायवाल ने कहा कि उत्कृष्ट खादी व स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य जनता को उत्कृष्ट खादी व स्वदेशी उत्पादों के महत्व के बारे में जागरूक करना है। इस अभियान के तहत लोगों को खादी और स्वदेशी उत्पादों के फायदों के बारे में बताया जा रहा है। इन उत्पादों को अपनाने से न केवल हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, बल्कि हमारे देश और प्रदेश के कारीगरों और किसानों को भी लाभ होगा। जनता को खादी और स्वदेशी उत्पादों के बारे में जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में प्रदर्शनियां, सेमिनार और कार्य-शालाएं शामिल होंगी। अभियान का उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि खादी और स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से हम अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकते हैं और अपने कारीगरों और किसानों को भी लाभ पहुंचा सकते हैं।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की ओर बढ़ें, स्वर्ण पदक को लक्ष्य बनाएं: सारंग

भोपाल(काप्र)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने शनिवार को अपने निवास पर 38वें नेशनल गेम्स में पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों से आत्मीय भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से उनके अनुभव साझा किए और उनकी मेहनत, समर्पण और सफलता की सराहना की।

श्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों, कोचों और सपोर्ट स्टाफ की कड़ी मेहनत और समर्पण भाव के कारण ही प्रदेश ने 38वें नेशनल गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 82 पदकों के साथ राज्यों की सूची में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के अध्यक्ष एवं विधायक रमेश मेंदोला, संघ के सचिव दिग्विजय सिंह, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

श्री सारंग ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी अपने खेल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने का संकल्प लें और स्वर्ण पदक हासिल करने को अपना लक्ष्य बनाएं। उन्होंने कहा, आपकी मेहनत, आत्मविश्वास और समर्पण ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है। खुद पर विश्वास रखें, हर चुनौती को अवसर में बदलें और विजय के शिखर तक पहुंचें। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए यह भी कहा कि प्रदेश सरकार हर स्तर पर खिलाड़ियों को सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर है, जिससे वे अपने खेल कौशल को निखारकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें। श्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं और प्रशिक्षण देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य में खेलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं। इस दिशा में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है, जिससे भविष्य में और अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। प्रदेश के विजयी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए श्री सारंग ने आशा व्यक्त की कि आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी देश और दुनिया में अपनी सफलता की नई गाथा लिखेंगे।

संवाद के दौरान बॉक्सिंग खिलाड़ियों ने साझा किया कि उत्तराखंड में हाई एल्टिट्यूड पर खेलना आसान नहीं था, लेकिन आयोजन से पांच दिन पहले वहां पहुंचकर विशेष ट्रेनिंग करने से प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ। उन्होंने बताया कि ऊंचाई पर अनुकूलन की इस रणनीति ने न केवल उनकी फिटनेस को बेहतर बनाया बल्कि मुकाबलों में अतिरिक्त बढ़त भी दिलाई।

विश्व संवाद केन्द्र में बसंत गोष्ठी संपन्न

भोपाल (काप्र)। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, भोपाल इकाई के तत्तवावधान में बसन्त गोष्ठी का आयोजन शनिवार को विश्व संवाद केंद्र, भोपाल में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. नुसरत मेहदी, अध्यक्ष, अखिल भारतीय साहित्य परिषद भोपाल इकाई एवं निदेशक, मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी ने कहा कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद भारतीय परंपराओं, संस्कारों एवं मूल्यों को साहित्य के माध्यम से पल्लवित एवं पोषित करने के लिए समर्पित है।

इसी श्रृंखला में बसन्त ऋतु के आगमन पर बसन्त आधारित रचनापाठ का आयोजन किया जाता है। यह गोष्ठी भी इसी परंपरा का हिस्सा है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ऋषि श्रृंगारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे देश में मुख्यतः 6 ऋतुओं होती हैं। सर्दी से गर्मी की ओर बदलते मौसम को वासंती ऋतु कहते हैं। हिन्दी महीनों में माघ से फागुन के बीच के मौसम को वासंती मौसम कहते हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दिनेश मालवीय ने कहा कि वसंत भारत के सबसे महत्वपूर्ण उत्सवों में शामिल है। यह भारत की उत्सवधर्मी संस्कृति का सबसे बड़ा प्रतीक है। कवियों के यह सबसे मनपसंद विषयों में एक है। वसंत पंचमी महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का जन्मदिवस है। यही उनका सबसे प्रिय त्योहार है। आज कवियों ने अपनी सुंदर रचनाओं का पाठ कर कविकुल की इसी श्रेष्ठ परम्परा का निर्वाह किया। सबको बहुत बधाई।

स्वागत वक्तव्य देते हुए परिषद की महामंत्री सुनीता यादव ने कहा कि परिषद हमेशा मासिक गोष्ठी कीर्तिशेष रचनाकारों को समर्पित करती है। इस बार की गोष्ठी कीर्तिशेष साहित्यकार सूर्यकांत त्रिपाठी निराला को समर्पित है।

सीपीसीटी की आड़ में दो हजार बिजली आउटसोर्स की नौकरी नहीं उजाड़ें : भार्गव

भोपाल (काप्र) । मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमि. मुख्यालय भोपाल द्वारा भोपाल-ग्वालियर रीजन के सभी सर्किल, डिविज़न, ज़ोन व वितरण केन्द्रों के लिए आगामी 1 अप्रैल से दो वर्ष हेतु जो आउटसोर्स मेन पॉवर मानव बल टेंडर क्रमांक-1128 जारी किया गया है उसमें कुशल श्रेणी कम्प्यूटर टाईपिस्ट व डाटा एंट्री ऑपरेटर (केपीओ) पद हेतु सर्विस प्रोवाईडर के जरिए भर्ती करने व पुराने आउटसोर्स कर्मियों का नवीनीकरण हेतु सीपीसीटी परीक्षा पास करने की शर्त अतिरिक्त रूप से इस बार जोड़कर थोप दी गई है । जबकि म.प्र. शासन के किसी भी विभाग एवं अन्य पाँच बिजली कम्पनियों में ऐसी शर्त लागू नहीं है । इससे मध्य क्षेत्र कंपनी में करीब एक वर्ष से लेकर दस वर्ष से अधिक समय से काम कर रहे करीब 2215 ठेका कर्मियों में से दो हजार से अधिक आउटसोर्स कर्मियों की नौकरी उजड़ जाएगी, क्योंकि वर्तमान में 2215 कम्प्यूटर टाईपिस्ट में से मात्र 166 ही सीपीसीटी परीक्षा पास हैं, इसलिए सीपीसीटी की शर्त हटाई जावे । यह माँग बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव एवं महामंत्री दिनेश सिसोदिया ने मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं बिजली कंपनी के एमडी व सीजीएम प्रोक्यूरमेंट/एचआर से की है ।श्री भार्गव का कहना है कि म.प्र. शासन के अन्य विभागों में सीपीसीटी उत्तीर्ण का पैमाना ठेकाकर्मी कम्प्यूटर टाईपिस्ट कुशल श्रेणी के लिए नहीं है, तो मध्य क्षेत्र बिजली कंपनी में इसे थोपने का क्या औचित्य है राज्य शासन के सभी विभागों व उपक्रमों में सहायक ग्रेड-3 अथवा समकक्ष पदों की नियमित व संविदा भर्ती के लिए ही कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (सीपीसीटी) उत्तीर्ण करना ज़रूरी है।

वीआईटी विवि में खेल उत्सव के साथ अद्वित्या की शुरुआत

भोपाल (काप्र)। वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय ने खेल सप्ताह के शानदार उद्घाटन के साथ अपने बहुप्रतीक्षित वार्षिक उत्सव अद्वित्या 2025 की शानदार शुरुआत की।

परिसर ऊर्जा और उत्साह से भर गया क्योंकि छात्र एक सप्ताह तक चलने वाली रोमांचक खेल प्रतियोगिता के लिए तैयार हो गए, जो पांच दिवसीय असाधारण कार्यक्रम की शुरुआत थी।

भव्य उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एशियाई खेलों की पदक विजेता सुश्री वर्षा वर्मन की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में वीआईटी विश्वविद्यालय के दूरदर्शी प्रबंधन की उपस्थिति रही। डॉ. जी. विश्वनाथन, संस्थापक और चांसलर, एम. शंकर विश्वनाथन, उपाध्यक्ष, सुश्री कादंबरी विश्वनाथन, सहायक उपाध्यक्ष, डॉ. टी.बी. श्रीधरन, प्रो वाइस चांसलर, रजिस्ट्रार के.के. नायर, संयोजक डॉ. योगेश शुक्ला, सह-संयोजक डॉ. पुष्पदंत जैन और डॉ. सौरव प्रसाद, और खेल अधिकारी डॉ. प्रशांत तिवारी। उनके ज्ञान और प्रेरणा के शब्दों ने खेल कौशल, एकता और उत्कृष्टता के उत्सव का माहौल तैयार किया।

दृढ़ संकल्प और दृढ़ता की भावना का प्रतीक, औपचारिक ज्योति प्रज्वलन के साथ उद्घाटन एक उच्च नोट पर शुरू हुआ। इसके बाद एक भव्य टीम परेड हुई, जहां प्रत्येक भाग लेने वाली टीम ने अपने संबंधित ध्वजवाहक के नेतृत्व में गर्व और उत्साह के साथ मार्च किया। फ्लैग मार्च ने खेल, एकता और निष्पक्ष खेल के प्रति विश्वविद्यालय की अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। मैचों को आधिकारिक तौर पर शुरू करने के लिए, मुख्य अतिथि ने औपचारिक टॉस में भाग लिया, जिससे आगे की तीव्र और रोमांचक प्रतियोगिताओं के लिए मंच तैयार हुआ।

पेज एक से जारी खबरों के शेष...

सीवीसी ने केजरीवाल...

जा सके। इस दौरान इस बात की भी जांच की जाएगी कि क्या सार्वजनिक धन का सही तरीके से उपयोग हुआ है और क्या इस निर्माण में कोई वित्तीय अनियमितताएं पाई गईं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास के नवीनीकरण को लेकर पहले भी विवाद उठ चुके हैं। भाजपा ने दिल्ली में 6 फ्लैग स्टाफ बंगले को शीशमहल कहा है। यह दिल्ली के मुख्यमंत्री का सरकारी आवास है, जहां 2015 से 2024 तक अरविंद केजरीवाल रहे हैं। बीजेपी का आरोप है कि केजरीवाल ने मुख्यमंत्री रहते हुए आवास में नवीनीकरण में करोड़ों खर्च किए हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान भी भाजपा और कांग्रेस ने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया था। सीवीसी की जांच से अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी के लिए कानूनी संकट और बढ़ सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि सीवीसी की जांच में क्या निष्कर्ष सामने आते हैं और इस मामले में आगे क्या कार्रवाई होती है। श्री केजरीवाल मुख्यमंत्री रहते हुए जिस आवास में रह रहे थे सीवीसी ने उसकी जांच के आदेश दिए हैं। यह आदेश केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के आधार पर दिया गया है। सीपीडब्ल्यूडी के इस रिपोर्ट में दिल्ली के सिविल लाइन्स में 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास के जीर्णोद्धार में अनियमितता का आरोप लगा है। उल्लेखनीय है कि इस बंगले को लेकर भाजपा ने पूरे चुनाव प्रचार के दौरान इसे शीश महल का नाम देकर आम आदमी पार्टी और श्री केजरीवाल पर हमले किए थे। गौरतलब है कि भाजपा के नेता विजेंद्र गुप्ता ने इस मामले में शिकायत देकर आरोप लगाया था कि दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग ने लगभग आठ एकड़ में बने बंगले का पुनर्निर्माण करते समय नियमों का उल्लंघन किया। उन्होंने दावा किया था कि इसके निर्माण में कई प्रकार की गड़बड़ी हुई है ।

कोटा में केमिकल...

हुए हैं। उनमें से पांच को शुरू में कोटा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था, लेकिन उनकी बिगड़ती हालत के कारण बाद में उन्हें कोटा के जेके लोन अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि चंबल फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स लिमिटेड (सीएफसीएल) फैक्ट्री में सुबह करीब 11 बजे गैस रिसाव हुआ। हाई सेकेंडरी स्कूल में छात्रों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। कुछ ही देर में उनमें से कुछ बेहोश हो गए, जिससे स्कूल में दहशत फैल गई। अराजकता फैल गई और अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया। सीएफसीएल एक फैक्ट्री है जो यूरिया खाद का उत्पादन करती है। नवीनतम अपडेट के अनुसार, प्रभावित छात्रों का पहले फैक्ट्री परिसर में संचालित अस्पताल में इलाज किया गया। यह भी पता चला कि कुछ छात्राएं स्कूल परिसर में पानी लेने गई थीं, तभी उन्हें घुटन और बेचैनी महसूस होने लगी। उनकी हालत बिगड़ गई और उन्होंने स्कूल स्टाफ को सांस लेने में दिक्कत के बारे में बताया। खबर मिलने पर कोटा जिला कलेक्टर रवींद्र गोस्वामी घटनास्थल पर पहुंचे और फैक्ट्री और उपखंड प्रशासन से जानकारी जुटाई।

राजग के सहयोगी...

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय बजट विकसित भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। यह '2047 विकसित भारत' की रूपरेखा है। आज हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और बहुत जल्द तीसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि युवा, अन्नदाता, गरीबों और महिलाओं को ध्यान रखते हुए बजट में विभिन्न प्रावधान किये गये हैं। अंत में केंद्रीय मंत्री ने वक्फ विधेयक समेत तमाम सवालों के जवाब भी दिये।

मध्यस्थता ही समाधान...

प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह रचनात्मक समाधानों के द्वार खोलता है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग को चुनकर हम न केवल संघर्षों को कुशलतापूर्वक हल करते हैं, बल्कि लोगों और व्यवसायों के बीच संबंधों को भी मजबूत करते हैं। सीजेआई खन्ना ने कहा कि वकील समस्या समाधानकर्ता होते हैं, जिन्हें रचनात्मक समाधान प्रदान करना होता है जो समस्या के कानूनी और मानवीय, दोनों आयामों को संबोधित करते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे हमारी समस्याएं और अधिक गतिशील होती जा रही हैं, उनके समाधान की आवश्यकता और अधिक लचीली होनी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने सभी से लीक से हटकर सोचने और न्याय प्रदान करने को किफायती और समयबद्ध बनाने के लिए अपने दायरे को व्यापक बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी ऐसी चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनकी हमारे पूर्ववर्तियों ने शायद ही कल्पना की होगी, जैसे जलवायु परिवर्तन, जो न केवल हमारे पर्यावरण के लिए खतरा है, बल्कि मानवाधिकारों और सामाजिक न्याय के मूल ढांचे के लिए भी खतरा है। साथ ही, डिजिटल विकास, गोपनीयता, सुरक्षा और मानवीय संपर्क की प्रकृति के बारे में अभूतपूर्व प्रश्न उठाता है। सीजेआई ने कहा कि लोकतंत्र खुद नयी प्रौद्योगिकियों और सामाजिक गतिशीलता द्वारा नया रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ अमूर्त समस्याएं नहीं हैं। ये मानवता, मानवीय गरिमा और स्वतंत्रता के लिए बहुत ही बुनियादी चुनौतियां हैं, जिनके लिए नये समाधान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय कानूनी सहायता का स्वरूप शायद दुनिया में सबसे मजबूत है, जहां सभी हितधारको आरोपियों और पीड़ितों को सहायता दी जाती है।

सिद्ध भाऊ के मार्गदर्शन में नवनिध की छात्राओं के लिए विशेष परीक्षा तैयारी सत्र

भोपाल (हिनप्र)। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में कक्षा 9वीं और 11वीं की छात्राओं के लिए परीक्षा पूर्व तैयारी एवं उत्कृष्ट परिणाम हेतु विशेष सत्र का आयोजन किया गया। ब्रह्मलीन संत शिरोमणि हिरदाराम जी की कृपा एवं संस्था के अध्यक्ष श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी के पावन सानिध्य में शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में हाउ टू एक्सेल इन एग्जामिनेशन विषय पर यह सत्र संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी के कर कमलों द्वारा माँ सरस्वती, माँ भारती एवं संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब जी के छायाचित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर संस्था के सचिव घनश्याम बूलचंदानी, विद्यालय की प्राचार्या अमृता मोटवानी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। इस सत्र का उद्देश्य छात्राओं को परीक्षा की तैयारी के लिए प्रभावी रणनीतियाँ प्रदान करना, आत्मविश्वास बढ़ाना, सकारात्मक मानसिकता विकसित करना एवं प्रश्न-पत्र हल करने की उचित विधियाँ समझाना था। श्रद्धेय सिद्ध भाऊ ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विद्या वह धन है जिसे कोई चुरा नहीं सकता लेकिन यह भी सत्य है कि इसे परिश्रम से ही अर्जित किया जा सकता है। उन्होंने परीक्षा को आत्मविकास की महत्वपूर्ण प्रक्रिया बताते हुए कहा कि यह केवल ज्ञान का परीक्षण नहीं, बल्कि धैर्य, अनुशासन और समर्पण की भी परीक्षा होती है। उन्होंने छात्राओं को अध्ययन को सहज और रुचिकर बनाने के लिए नियमित दोहराव, व्यवस्थित नोट्स बनाने तथा समय प्रबंधन का महत्व समझाया। उन्होंने यह भी बताया कि परीक्षा के समय मानसिक एकाग्रता बनाए रखने के लिए प्रतिदिन ध्यान, व्यायाम और आरती करने की आदत डालें।

पूज्य सिंधी पंचायत ने किशन आसूदानी का किया सम्मान

भोपाल (हिनप्र)। संत हिरदाराम नगर की प्रमुख सामाजिक संस्था पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा आज मदिरा व्यवसायी किशन चंद आसूदानी उर्फ खग्गू भैया का पंचायत कार्यालय में सम्मान किया गया। पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी ने उदबोधन में कहा कि श्री आसूदानी ने अपने सुपुत्र के विवाह में मास, मदिरा का उपयोग पूरी तरह वर्जित कर समाज के लिए एक नई मिसाल पेश की। श्री आसूदानी का भोपाल जिले व आसपास के क्षेत्रो में मदिरा की दुकाने है। श्री चांदवानी ने कहा कि पंचायत द्वारा काकटल पार्टी, दुल्हा-दुल्हन को समय पर मंच पर पहुंचने व तैरहवी के भोज पर प्रतिबंध के लिए जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए समस्त नागरिको से अपील की जाती है कि इस कडी में श्री आसूदानी ने पंचायत का सम्मान करते हुए अपने सुपुत्र की शादी में काकटल पार्टी को हटाकर मोकटल पार्टी का आयोजन किया और एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम में मास मदिरा को दूर रखा। इसके लिए हम आसूदानी परिवार का आभार मानते है। इस अवसर पर किशन आसूदानी ने कहा कि मैं मदिरा का धंधा करता हूं लेकिन मेरे भाई, भतीजे, भांजे जितने भी करीबी रिश्तेदार है वे मदिरा का उपयोग नहीं करते है। जब मैं 1982 में मदिरा की दुकान पर काम करता था तब मैं जो लोग मदिरा का अधिक मात्रा में सेवन करते थे उनकी हालत देखकर मैंने निर्णय लिया व परिवार को समझाया कि हमे मदिरा से दूर रहना है और आज तक हमारे परिवार में जितने भी कार्यक्रम हुए है उसमे मास मदिरा का उपयोग नहीं किया गया है।

एसीएस जेएन कन्सोटिया द्वारा मंत्रालय में लगे नेत्र रोग शिविर का समापन

सेवा सदन द्वारा 1032 कर्मचारियों की आंखों व दांतों की जांच और परामर्श

भोपाल (हिनप्र)। अपर मुख्य सचिव (गृह) जे.एन. कन्सोटिया ने शुक्रवार को वल्लभ भवन में आयोजित चार दिवसीय दृष्टि दोष, नेत्र और दन्त रोग शिविर का समापन किया । सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय द्वारा यह शिविर 10 से 14 फरवरी तक लगाया गया । शिविर में डॉक्टर, ऑप्टोमेट्रिस्ट तथा पैरामेडिकल कर्मचारियों की तैनाती की गई थी ।

शिविर में कुल 1,032 कर्मचारियों ने अपनी आंखों और दांतों की जांच करवाई । इनमें 747 कर्मचारियों को दृष्टिदोष तथा 47 को मोतियाबिंद और नाखूना जैसी बीमारियों के लक्षण पाये गये । अस्पताल द्वारा 491 नेत्र रोगियों को निःशुल्क ड्रॉप्स तथा 280 चश्में प्रदान किए गए। इनके अतिरिक्त 86 कर्मचारियों को सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय जाकर अपने नेत्र रोगों का इलाज करवाने की सलाह दी गई । नेत्र रोगों के अलावा 67 कर्मचारियों को ब्लड प्रेशर और 127 को डायबिटीस के लक्षण पाये गये । दन्त रोगों में 408 कर्मचारियों को आरसीटी प्रक्रिया करवाने तथा 211 कर्मचारियों को एक्स्ट्रेक्शन का परामर्ष दिया गया । शिविर में 11 ऐसे कर्मचारी मिले जिनका पर्याप्त मुंह नहीं खुल रहा था । उन्हें ओएसएमएफ रोग का समुचित इलाज करवाने की सलाह दी गई । पान गुटखा खाने वाले 305 कर्मचारियों के दांतों में गंदगी होने पर उनकी सफाई की गई । इस अवसर पर उपस्थित कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए श्री कन्सोटिया ने कहा कि कर्मचारियों की दृष्टि और सामान्य स्वास्थ्य अच्छा होने पर उनकी कार्यक्षमता और दक्षता में बढ़ोत्तरी होती है । ऐसे प्रयास किये जायेंगे कि निकट भविष्य में अन्य सामान्य बीमारियों की जांच और परामर्ष के लिये भी इस प्रकार के षिविर लगाये जायें । श्री कन्सोटिया ने वल्लभ भवन में षिविर आयोजन और कर्मचारियों को दी गयी सेवाओं के लिये सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय की सराहना की ।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के ट्रस्टी सुरेश आवतरामानी ने सेवा सदन के सेवा कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया । इस अवसर पर कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी सर्व सुभाष वर्मा, जीपी सिंह, घनष्याम भकोरिया, सुरेषचंद ओसले, सेवा सदन के डॉ. ऐनी अंकिता, डॉ. संजीती आर्य, डॉ. नेहा मोटा, डॉ. कोमल दासवानी, डॉ. रोशनी ज्ञानचंदानी, ऑप्टोमेट्रिस्ट अजय सिंह, सागर गोरसे, हीरानन्द थानवानी और नीलेष वाघमारे उपस्थित थे ।